Roll No. .....

D–3384

M. A. (Previous) EXAMINATION, 2020

HINDI

Paper Third

(आधुनिक हिन्दी काव्य)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 100*

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 30

(क) निरख सखी, ये खंजन आये,
फेरे उन मेरे रंजन ने नयन इधर मन भाये!
फैला उनके तन का आतप, मन ने सर सरसाये,
घूमें वे इस ओर वहाँ, ये हंस यहाँ उड़ छाये!
करके ध्यान आज इस जन का निश्चय वे मुसकाये,
फूल उठे हैं कमल, अधर-से ये बन्धूक सुहाये।

अथवा

वक्षस्थल पर एकत्र धरे
संसृति के सब विज्ञान-ज्ञान
था एक हाथ में कर्म-कलश
वसुधा-जीवन-रस सार लिए
दूसरा विचारों के नभ को
था मधुर अभय अवलंब दिए

त्रिबली थी त्रिगुण तरंगमयी
आलोक-वसन लिपटा अराल
चरणों में थी गति भरी ताल!

(ख) धिक् जीवन को जो पाता ही आया विरोध,
धिक् साधन, जिसके लिए सदा ही किया शोध!
जानकी! हाय, उद्धार प्रिया का न हो सका।
वह एक और मन रहा राम का जो न थका;
जो नहीं जानता दैन्य, नहीं जानता विनय
कर गया भेद वह मायावरण प्राप्त कर जय
बुद्धि के दुर्ग पहुँचा विद्युत-गति, हत चेतन।
राम में जगी स्मृति, हुए सजग पा भाव प्रमन।

अथवा

इस धारा सा ही जग का क्रम, शाश्वत इस जीवन का उद्‌गम,
शाश्वत है गति शाश्वत संगम्!
शाश्वत नभ का नीला विकास, शाश्वत शशि का यह रजत हास,
शाश्वत लघु लहरों का विलास।
हे जग जीवन के कर्मधार! चिर जन्म-मरण के आर-पार,
शाश्वत जीवन-नौका-विहार!

(ग) ओ मेरे आदर्शवादी मन,
ओ मेरे सिद्धान्तवादी मन,
अब तक क्या किया ?
जीवन क्या जिया!!
उदरम्भरि बन अनात्म बन गये,
भूतों की शादी में कनात से तन गये,
किसी व्यभिचारी के बन गये विस्तर,

दुःखों के दागों को तमगों सा पहना
अपने ही ख्यालों में दिन-रात रहना,
असंग बुद्धि व अकेले में सहना,
जिन्दगी निष्क्रय बन गयी तलघर।

अथवा

खड़ी हो गयी चाँप कर कंकालों की हूक
नभ में विपुल विराट सी शासन की बन्दूक
उस हिटलरी गुमान पर सभी रहे हैं थूक
जिसमें कानी हो गयी शासन की बन्दूक
सत्य स्वयं घायल हुआ, गयी अहिंसा चूक
जहाँ-तहाँ दगने लगी शासन की बन्दूक
जली ठूँठ पर बैठकर गयी कोकिला कूक
बाल न बाँका कर सकी शासन की बन्दूक

2. 'साकेत' में उर्मिला के विरह वर्णन की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

'कामायनी' की प्रतीकात्मकता पर विचार कीजिए।

3. महादेवी वर्मा के काव्य में विरह, वेदना और करुणा के स्वरूप पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

अज्ञेय **या** मुक्तिबोध की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** विषयों पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 20
   (i) अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध का व्यक्तित्व और कृतित्व।
   (ii) जोश और जवानी के कवि हरिवंशराय बच्चन।
   (iii) केदारनाथ अग्रवाल की कविता में प्रकृति।
   (iv) शमशेर बहादुर सिंह के काव्यात्मक बिम्ब।

   (v) दुष्यन्त की गजलों की विशेषताएँ।
   (vi) धूमिल की काव्यभाषा।
   (vii) स्वातंत्र्योतर यथार्थ और रघुवीर सहाय की कविता।
   (viii) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना का काव्यसंसार।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **बीस** वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 20
   (i) 'साकेत' का अर्थ लिखिए।
   (ii) खड़ी बोली के प्रथम महाकाव्य का नाम लिखिए।
   (iii) 'कामायनी : एक पुनर्विचार' पुस्तक के लेखक का नाम लिखिए।
   (iv) 'दीपशिखा' किनकी रचना है ?
   (v) 'मधुशाला' के कवि का नाम लिखिए।
   (vi) निराला का जन्म कहाँ हुआ था ?
   (vii) 'ग्राम्या' किनकी रचना है ?
   (viii) 'आत्महत्या के विरुद्ध' काव्यसंग्रह के कवि का नाम लिखिए।
   (ix) 'शृंखला की कड़ियाँ' किनकी कृति है ?
   (x) अज्ञेय का पूरा नाम लिखिए।
   (xi) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के किसी **एक** काव्यसंग्रह का नाम लिखिए।
   (xii) 'प्रियंवदा' किस कविता का चरित्र है ?
   (xiii) 'तारसप्तक' के संपादक कौन थे ?
   (xiv) छायावाद का नामकरण किसने किया ?
   (xv) 'साये में धूप' के रचनाकार का नाम लिखिए।
   (xvi) मुक्तिबोध छत्तीसगढ़ के किस महाविद्यालय में हिन्दी के प्राध्यापक थे ?
   (xvii) 'अकाल और उसके बाद' कविता किसकी है ?

(xviii) हिन्दी के उस प्रसिद्ध आलोचक का नाम लिखिए, जिनकी कविताएँ 'तारसप्तक' में संकलित हैं।

(xix) 'प्रतीक' पत्रिका के संपादक का नाम लिखिए।

(xx) हिन्दी के किस कवि पर अरविन्द दर्शन का प्रभाव है ?

(xxi) 'कविता के नये प्रतिमान' के केन्द्र में कौन कवि है ?

(xxii) 'लहर' या 'झरना' के कवि का नाम लिखिए।

(xxiii) 'कंकाल' और 'तितली' किसकी कृति है ?

(xxiv) 'कहीं आग लग गयी, कहीं गोली चल गयी' किस लम्बी कविता से सम्बद्ध है ?

(xxv) 'ताप के ताये हुए दिन' काव्यसंग्रह के कवि का नाम लिखिए।